

भारत-म्यांमार सीमा पर स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली

प्रलिस के लिये:

[स्मार्ट फेंसिंग सिस्टम](#), भारत-म्यांमार सीमा

मेन्स के लिये:

बुनयादी ढाँचा, सीमा नगिरानी और नयित्रण, सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन

[स्रोत: द हिंदू](#)

चर्चा में क्यों?

गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs- MHA) ने अपनी 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट में [भारत-म्यांमार सीमा](#) पर 100 किलोमीटर की स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली (Smart Fencing System- SFS) तैयार करने की योजना पेश की है।



स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली:

परचिय:

- SFS एक तकनीकी रूप से उन्नत सीमा सुरक्षा बुनयादी ढाँचा है जिससंवेदनशील सीमा क्षेत्रों पर नगिरानी और नयित्रण में सुधार व बेहतरी के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- इसमें आमतौर पर भौतिक संरचनाओं, सेंसर, कैमरे और संचार प्रणालियों का संयोजन शामिल होता है।
 - "स्मार्ट" शब्द का तात्पर्य सीमा पर खतरों की प्रभावी ढंग से नगिरानी और प्रतिक्रिया करने के लिये प्रौद्योगिकी का

उपयोग करने की प्रणाली की क्षमता से है।

■ भारत-म्यांमार सीमा के नक़िट स्मार्ट फ़ेंसिंग प्रणाली की आवश्यकता:

○ नृजातीय हसिा और वदिरोह:

- मणपुिर में नृजातीय हसिा एक प्रमुख चतिा का वषिय रही है, जसिके परणामस्वरूप 3 मई, 2022 से 175 से अधिक लोगों की मौत हुई। पूर्वोत्तर राज्यों में मणपुिर में वर्ष 2022 में दरज कुल 201 में से 137 उग्रवाद से संबंघति घटनाएँ हुई हैं।
- मणपुिर मैतेई, नगा, कुकी, जोमी, हमार वदिरोही समूहों की गतविधियों से प्रभावति है।
- मणपुिर में नृजातीय हसिा के लयि ज़मिमेदार कुछ कारकों के रूप में बनिा बाड़े वाली सीमा की उपस्थति तथा म्यांमार से अनयमति प्रवासन को ज़मिमेदार ठहराया गया है।
 - इसके परणामस्वरूप वभिनिन इंडयिन इंसरजेंट गुरुप्स (IIG) द्वारा हसिा, ज़बरन वसूली तथा वविधि मांगें शुरु हो गई हैं, जो भारत के पड़ोसी देशों में सुरकषति आश्रय/शविरि बनाए हुए हैं।
- स्मार्ट फ़ेंसिंग प्रणाली उग्रवादियों और अवैध तत्त्वों द्वारा अनधक़ित प्रवेश तथा घुसपैठ को रोकेंगी, जसिसे एक गंभीर सुरकषा समस्य़ा का समाधान होगा।

○ नगिरानी बढाना:

- स्मार्ट फ़ेंसिंग प्रणाली सीमा उल्लंघनों की नगिरानी तथा जवाबी कार्यवाई करने के लयि उन्नत नगिरानी प्रौद्योगकियों से लैस है।

○ जटलि सुरकषा चुनौतियों से नपिटना:

- इसे सामाजकि-आर्थकि वकिस, जनजातीय संघर्ष और प्रवासन जैसे कारकों के कारण पूर्वोत्तर कषेत्र को नाजुक सुरकषा स्थति का सामना करना पड़ता है।
 - स्मार्ट फ़ेंसिंग प्रणाली इन खतरों को कम करने और कषेत्र में शांति एवं स्थरिता बनाए रखने हेतु एक कारगर उपाय है।

भारत-म्यांमार सीमा से संबंघति मुख्य बदि:

- भारत म्यांमार के साथ 1643 कमी. से अधिक लंबी भूमि सीमा के साथ-साथ बंगाल की खाड़ी में समुद्री सीमा भी साझा करता है त्वार पूर्वोत्तर राज्य, अर्थात् अरुणाचल प्रदेश (520 कमी.), नगालैंड (215 कमी.), मणपुिर (398 कमी.) और मज़ोरम (510 कमी.)।
 - गृह मंत्रालय की 2022-23 की वार्षकि रपिोर्ट के अनुसार 1,643 कमी. में से 1,472 कमी. का सीमांकन पूरण हो चुका है।
- म्यांमार भारत से सटा एकमात्र आसयान देश है और इसलये, यह दक्षणि-पूर्व एशया का प्रवेश द्वार है।
- इसकी सीमा कई हसिाओं में खुली हुई और बनिा फ़ेंसिंग की है, जसिसेद्वपिक्षीय समझौते के तहत लोगों एवं वस्तुओं की नरिबाध आवाजाही की अनुमति मिलति है। सीमा पर अवैध गतविधियों भी देखी जाती हैं तथा यह वभिनिन वदिरोही समूहों की गतविधियों से भी प्रभावति होती है जो इस कषेत्र में सक्रयि हैं और प्रायः म्यांमार में शरण लेते हैं।
 - भारत और म्यांमार के बीच एक नरिबाध आवाजाही व्यवस्था (FMR) मौजूद है। "FMR के तहत पहाड़ी जनजातियों का प्रत्येक सदस्य, जो या तो भारत का नागरकि है या म्यांमार का नागरकि है और जो भारत-म्यांमार सीमा के दोनों ओर 16 कमी. के भीतर कसिी भी कषेत्र का नविसी है, सकषम प्राधकिारी द्वारा जारी सीमा पास (एक वर्ष की वैधता) जारी कयि जाने परसीमा पार कर सकता है और प्रति यात्रा दो सप्ताह तक रह सकता है।
- मणपुिर सरकार ने कोवडि-19 महामारी के बाद वर्ष 2020 से FMR को नलिंबति कर दयिा है।

भारत में अन्य स्मार्ट फ़ेंसिंग परयोजनाएँ:

- भारत का पहला 'स्मार्ट फ़ेंस' पायलट प्रोजेक्ट वर्ष 2018 में भारत-पाकसितान सीमा पर शुरु कयिा गया था।
- बाद में वर्ष 2019 में भारत-बांग्लादेश सीमा पर कॉम्प्रहेंसिवि इंटीगरेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट ससि्टम (CIBMS) के तहत प्रोजेक्ट बॉर्डर इलेक्ट्रॉनिकली डॉमिनेटेड QRT इंटरसेप्शन टेकनीक (BOLD-QIT) लॉन्च की गई।
- CIBMS की भारत-पाकसितान सीमा (10 कलिोमीटर) और भारत-बांग्लादेश सीमा (61 कलिोमीटर) पर लगभग 71 कलिोमीटर की दो पायलट परयोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं।
 - CIBMS में अत्याधुनकि नगिरानी प्रौद्योगकियों की एक शृंखला की तैनाती शामिल है जसिमेंथरमल इमेजरस, इन्फ्रा-रेड और लेज़र-आधारति इंटरडूर अलार्म, हवाई नगिरानी हेतु एयरोस्टैट्स, अनअटेंडेड (जसिकी रखवाली करने की आवश्यकता ना हो) ग्राउंड सेंसरस शामिल है, जो घुसपैठ की कोशशियों का पता लगाने में सहायता कर सकता है, नदी की सीमाओं को सुरकषति करने हेतु रडार, सोनार ससि्टम, फाइबर-ऑप्टिकि सेंसर और एक कमांड तथा नयितरण प्रणाली जो वास्तवकि समय में सभी नगिरानी उपकरणों से डेटा प्राप्त करेगी।

सीमा अवसंरचना वकिस का सार	प्रमुख खतरे	आवश्यक कदम	बीते समय में कयि गए प्रयास
पाकसितान	युद्ध, वदिरोह, तस्करी	अच्छी तरह से प्रशकषति और वृहत BOLD-QIT के साथ C.I.B.M.S. नगिरानी, दूरदराज के कषेत्रों, वशिष रूप से जम्मू-कश्मीर को जोड़ने वाले एक से अधिक मार्ग	C.I.B.M.S., कुछ हसिाओं में लेह का तीसरा मार्ग वर्ष 2023 तक खोला जाना अपेक्षति
चीन	युद्ध	बख्तरबंद वाहन सकषम बुनयिादी ढाँचा, उच्च ऊँचाई वाले हवाई कषेत्र	डौलेट बेग ओल्डी हवाई परघालन जारी, कुछ पुल और सुरंगें बख्तरबंद वाहन सकषम

बांग्लादेश	तस्करी, मानव तस्करी	नदी के पूरे वसित क्षेत्र में C.I.B.M.S. और BOLD-QIT नगिरानी	ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्र कवर किया जा चुका है, अत्यंत छोटी नदी क्षेत्र अभी बाकी
नेपाल	तस्करी, मानव तस्करी	BOLD-QIT के साथ C.I.B.M.S. नगिरानी	नयोजन के स्तर में
भूटान	तस्करी	भूटान-चीन सीमा तक बख्तरबंद वाहन सक्षम सड़क संपर्क	सीमा सड़क संगठन द्वारा इस दशा में कार्य जारी
म्याँमार	तस्करी, वदिरोह	उग्रवाद से नपिटने के लिये बड़े और अधिक कुशल BOLD-QIT के साथ C.I.B.M.S. नगिरानी, सैनिकों की त्वरति आवाजाही के लिये सड़कें	कुछ सड़कें मौजूद हैं, C.I.B.M.S. नयोजन के स्तर पर

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. सीमा प्रबंधन वभाग नमिनलखिति में से कसि केंद्रीय मंत्रालय का एक वभाग है? (2008)

- (a) रक्षा मंत्रालय
- (b) गृह मंत्रालय
- (c) नौवहन, सड़क परविहन और राजमार्ग मंत्रालय
- (d) पर्यावरण और वन मंत्रालय

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- जनवरी 2004 में अंतरराष्ट्रीय भूमि और तटीय सीमाओं के प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने हेतु गृह मंत्रालय के तहत सीमा प्रबंधन वभाग बनाया गया था।
- यह सीमा पुलसिगि और रखवाली, सड़कों, बाड़ लगाने तथा फलड लाइटगि जैसे बुनयिदी ढाँचे का नरिमाण करने एवं भारत-पाकसितान, भारत-बांग्लादेश, भारत-चीन, भारत-नेपाल व भारत-भूटान सीमाओं के साथ बॉर्डर आउट पोस्ट (Border Out Posts- BOP) तथा कंपनी ऑपरेटगि बेस (Company Operating Bases- COB) पर सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम चलाने का प्राधिकारी है।
- भारत के पास 15,106.7 कर्मी. की भूमि सीमा और द्वीप क्षेत्रों सहति 7,516.6 कर्मी. की तटरेखा है।

अतः विकल्प (b) सही है।

??????:

प्रश्न: भारत की आंतरकि सुरक्षा के लिये बाह्य राज्य और गैर-राज्य कारकों द्वारा प्रस्तुत बहुआयामी चुनौतियों का वश्लेषण कीजिये। इन संकटों का मुकाबला करने के लिये आवश्यक उपायों पर भी चर्चा कीजिये। (2021)

प्रश्न: प्रभावी सीमावर्ती क्षेत्र प्रबंधन हेतु हसिवादियों को स्थानीय समर्थन से वंचति करने के आवश्यक उपायों की वविचना कीजिये और स्थानीय लोगों में अनुकूल धारणा प्रबंधन के तरीके भी सुझाइये। (2020)

प्रश्न: आंतरकि सुरक्षा खतरों तथा नयितरण रेखा (LoC) सहति म्याँमार, बांग्लादेश और पाकसितान सीमाओं पर सीमा पार अपराधों का वश्लेषण कीजिये। वभिन्न सुरक्षा बलों द्वारा इस संदर्भ में नभिआई गई भूमिका की भी चर्चा कीजिये। (2020)

प्रश्न: दुर्गम क्षेत्र एवं कुछ देशों के साथ शत्रुतापूर्ण संबंधों के कारण सीमा प्रबंधन एक कठनि कार्य है। प्रभावशाली सीमा प्रबंधन की चुनौतियों एवं रणनीतियों पर प्रकाश डालिये। (2016)